RISE FOUNDATION

ANNUAL REPORT

2022-23

Registered Office:

C-47, F-4, Manglam City, Kalwar Road, Jhotwada, Jaipur (Raj.) 302012
Contact; 8058401819, Email: risefoundation20@gmail.com
www.risefoundation.org.in

विषय सूची

राइज फाउण्डेशन के बारे में 2

कार्यकारी संदेश.... 3

संस्था विजन.... 4

संस्था मिशन.... 4

संस्था की रणनीतियां.... 4

संस्था का दृष्टिकोण.... 4

प्रमुख विषय क्षेत्र 5

प्रमुख कार्यक्षेत्र 5

प्रमुख उपलब्धियां.... 5

प्रोजेक्ट प्रगति.... 6

प्रोजेक्ट प्रगति का कार्यक्षेत्र 6

गतिविधियों का समयबद्ध विवरण 7

प्रोजेक्ट प्रगति के तहत् प्रेरको का आमुखिकरण-बाडमेर 8

प्रेरको की 3 दिवसीय प्रशिक्षण-बाड़मेर.... 8

प्रेरको की एक दिवसीय ड्रिप-ट्रेनिंग (फोलो-अप प्रशिक्षण).... 8

प्री-बोर्ड परीक्षाओं का आयोजन.... 8

मुख्य परीक्षाओं का आयोजन.... 9

मिशन सुरक्षित बचपन.... 10

बच्चों के प्रति सामाजिक दायित्वों पर व्यापारियों के साथ कार्यशाला.... 10

अन्तराष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन 11

नेटवर्किंग एवं सहयोगी संस्थाएं :.... 12

फोटो गैलरी 13

अखबारों में प्रमुख झलकियां.... 14

राइज फाउण्डेशन के बारे में ...

RISE का मतलब **Rejuvenate Integrated Sustainable and Empowerment** है जो टिकाऊ विकास का समर्थन और प्रयास करता है और उद्देश्य है कि वंचित समुदायों को जागरूक समाज में बदलाव लाने के लिए एक मॉडल विकसित करना है और समाज में पिरामिड के निचले हिस्से से संबंधित लोगों को बुनियादी ज्ञान और जागरूकता तक पहुंच प्रदान करते हुए उनके समग्र विकास की परिकल्पना करता है।

राइज फाउंडेशन टीम में ग्रामीण विकास, ग्रामीण प्रबंधन, कानून और सामाजिक क्षेत्र में प्रतिबद्ध पेशेवर रूप से योग्य युवा शामिल हैं। **RISE** किशोर, महिला सशक्तिकरण, बाल अधिकार और बाल संरक्षण, शिक्षा, आजीविका और स्वास्थ्य के मुद्दों पर काम करने की आंतरिक क्षमता है, महत्वपूर्ण रूप से संस्थान के विकास, पैरवी, अनुसंधान और सबसे महत्वपूर्ण और बाल संरक्षण हितधारकों एवं पदाधिकारियों का क्षमता निर्माण, मार्गदर्शन सहायता प्रदान करना। **RISE** टीम की सबसे बड़ी ताकत में से एक क्षमतावर्धन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम को डिजाइन करने, योजना बनाने और संचालित करने की क्षमता है।

राइज फाउंडेशन में लंबे समय से ग्रामीण विकास से जुडे हुए, प्रेरित और प्रतिबद्ध युवाओं द्वारा वर्ष 2019 में द राजस्थान लोक न्यास अधिनियम 1959 के तहत एक जनहित ट्रस्ट के रूप में पंजीकृत किया गया। जैसा कि 'उदय' शब्द 'ऊपर बढ़ने की एक प्रक्रिया' का प्रतीक है, उसी तरह संगठन पहले की सीख से एक नई परिवर्तन प्रक्रिया विकसित करने का प्रयास करता है - एक ऐसी प्रक्रिया जो एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुंचती है और सामूहिक विकास की ओर बढ़ती है। संस्था सरकार, समुदाय, व्यक्तियों और नागरिक समाज के साथ एक नेटवर्क बनाकर सामूहिक रूप से काम करती है। संस्था का प्रयास संगठन के भीतर और बाहर दोनों जगह एक धर्मनिरपेक्ष, गैर-भेदभावपूर्ण, गैर-भयभीत, पारदर्शी और गैर-पदानुक्रमित वातावरण को बढ़ावा देने में योगदान करती है। मुख्य रूप से सामाजिक रूप से वंचित और हाशिए पर रहने वाले समूहों, वंचित समुदायों के साथ काम करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जिसमें उन बच्चों पर विशेष ध्यान दिया जाता है जो कमजोर हैं और कठिन परिस्थितियों में जीवन-यापन कर रहे हैं।

हम सभी सोचने की शक्ति में भरोषा करते हैं। एक विचार यह है कि, दूसरों की सेवा करते हुए अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने है। हमारा लक्ष्यः जाति, पंथ, समाज, धर्म, भाषा या क्षेत्र में बिना किसी भेदभाव के साथ मानवता की सेवा करना है।

"As the purse is emptied, the heart is filled." -Victor Hugo

कार्यकारी संदेश

किसी भी राज्य या जिले के विकास मापदंडों में बच्चों एवं महिला शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा को महत्वपूर्ण माना जाता है। राज्य स्तर पर प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर पर औसत वार्षिक ड्रॉपआउट दर 5. 19 है, जबकि बाड़मेर जिले में यह 16.51 है, जो राज्य से 3 गुना अधिक है। जो व्यक्ति जिन्हें शिक्षा पूर्ण करने का अवसर नही मिलता इसलिए वह शिक्षा से वंचित रह जाते हैं, निरक्षरता उनके जीवन के हर पहलू को प्रभावित करती है और उनके विकास में बाधक होती है। अतः निरक्षरता लिंगभेद, कम उम्र में शादी, बाल श्रम, कम उम्र में गर्भधारण, असुरक्षा और गरीबी को बढ़ावा देती है और निरक्षरता लोगों के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन को प्रभावित करती है।

राइज फाउंडेशन ने ऐसे उक्त जिलों का चयन किया है जो शिक्षा में बहुत पिछड़े हैं या माध्यमिक शिक्षा में ड्रॉपआउट दर बहुत अधिक है, बाड़मेर और जोधपुर जिले में महिलाओं की माध्यमिक शिक्षा में ड्रॉपआउट दर अधिक है, इसलिए संस्था ने दोनों जिलों में माध्यमिक शिक्षा को बढ़ावा देने एवं महिला शिक्षा को प्रोत्साहन हेतु चयन किया गया जाकि वर्तमान में भी जारी है।

माध्यमिक शिक्षा को बढवा देने हेतु राइज फाउंडेशन ने फाउंडेशन फॉर एजुकेट गर्ल ग्लोबली (एफईजीजी) जो राज्य में किशोरा एवं महिलाओं के बीच माध्यमिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा सेतु योजना के कार्यान्वयन में सहयोग कर रही है, से सहयोग की अपेक्षा जाहिर की गई। उन्होने सहज स्वीकार किया और इस मुद्दे पर कार्य करने का अवसर दिया।

राइज ने एजुकेट गर्ल्स संस्था के सहयोग से, बाड़मेर एवं जोधपुर में 15 से 30 आयु वर्ग की पूर्व-माध्यमिक शिक्षा छोड़ने वाली 1000 से अधिक किशोरियों और महिलाओं की पहचान की और 10वीं कक्षा में 900 से अधिक किशोरियों को राजस्थान स्टेट ऑपन स्कूल बोर्ड में नामांकित करने में सफल रहे। प्रोजेक्ट प्रगति के दौरान, संस्था द्वारा 92 शिविर आयोजित किए गए, परिणाम स्वरूप कुल नामांकन में से, 470 (54%) संभी विषयों में उत्तीर्ण हुई, 264 (30%) एसवाईसी, कुल 734 (84%) शिक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए और सफल रहे।

एफईजीजी के साथ महिलाओं में माध्यमिक शिक्षा को बढावा देने के लिए प्रोजेक्ट प्रगति में कार्य करना अच्छा अनुभव रहा है, हालाँकि यह राइज का पहला प्रोजेक्ट था, कुछ कमियाँ जरूर रही होगी, फिर भी राइज फाउंडेशन निरंतर सीखने एवं सुधार की प्रक्रिया में विश्वास करती है। संस्था ने एफईजीजी से डिजिटल साक्षरता, मोबाइल आधारित प्रौद्योगिकी और निगरानी के बारे में सीखने का एक बेहतर अवसर मिला जिसे सीखा, जिसका हम आने वाले समय में अधिक उपयोग करेगें। टीम राइज फाउंडेशन, प्रोजेक्ट प्रगति में कार्य करने का अवसर देने के लिए एफईजीजी और राज्य प्रबंधन टीम का धन्यवाद करती हैं, जिन्होंने हमें 900 से अधिक किशोरियों के जीवन में माध्यमिक शिक्षा का सपना पूरा करने के लिए अपेक्षित सहयोग किया।

-मांगीलाल शेखर

संस्था विजन

समाज में वंचित समुदाय, बच्चों, किशोरों, महिलाओं और व्यक्तिगत उत्थान में उनकी सर्वोत्तम क्षमता के साथ मदद करने के लिए सक्षम वातावरण बनाकर समग्र और सतत विकास की सुविधा प्रदान करना।

संस्था मिशन

राईज़ फाउण्डेशन का मिशन मानवता की सेवा करना और सामाजिक-आर्थिक स्थिति को मजबूत करना और कार्य प्रणाली को मजबूत करने और सूचना के प्रसार के माध्यम से नैतिकता और अखंडता पर ध्यान केंद्रित करके वंचितों के जीवन में अधिकतम योगदान देना और उन्हें डिजिटल समाज में प्रतिस्पर्धा और सफल होने में सक्षम बनाना है।

संस्था की रणनीतियां

संस्था का दृष्टिकोण

1. बाल संरक्षण
2. सामाजिक लिंग समानता
3. हर संदर्भ में सक्रिय
4. स्थानीय से ग्लोबल तक
5. नेटवर्किंग एवं सहयोग
6. पैरवी एवं जिम्मेदारी
7. कार्य में पारदर्शिता

प्रमुख विषय क्षेत्र

RISE एक थिंक टैंक के रूप में काम करती है, जो बच्चों, सामाजिक रूप से वंचित और हाशिए पर रहने वाले समूहों, गरीब समुदायों की कमजोरियों से संबंधित प्रमुख मुद्दों को संबोधित करने के लिए विशेषज्ञों को एक साथ लाता है, विशेष रूप से उन बच्चों पर ध्यान केंद्रित करता है जो कमजोर हैं और कठिन परिस्थितियों में रह रहे हैं।

- लैंगिक समानता
- बाल विकास-शिक्षा, स्वास्थ्य एवं संरक्षण
- प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण
- कौशल विकास एवं आजीविका जागरूकता
- सामाजिक न्याय एवं विकास
- प्रकृतिक संसाधन प्रबंधन
- अनुसंधान और दस्तावेजीकरण
- कार्पोरेट स्थिरता

प्रमुख कार्यक्षेत्र

क्र.सं.	जिला	कार्यक्रम	सहयोग
1.	बून्दी	बाल मित्र पुलिस कार्यक्रम	जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग बून्दी
2.	जोधपुर	प्रोजेक्ट प्रगति	फाउंडेशन फॉर एज्युकेट गर्ल्स, मुंबई
3.	बारमेर	प्रोजेक्ट प्रगति	फाउंडेशन फॉर एज्युकेट गर्ल्स, मुंबई

प्रमुख उपलब्धियां

- प्रोजेक्ट प्रगति के तहत् बाडमेर जिले में 72 एवं जोधपुर जिले में 20 प्रगति कैम्प 88 प्रेरको द्वारा संचालित किए गए। यह प्रेरक उक्त क्षेत्र में किशोरियों एवं महिलाओं को माध्यमिक शिक्षा को बढावा देने के लिए कार्यरत है। संस्था द्वारा प्रेरको को शिक्षा, जीवन कौशल सहित समसजिक लिंगभेद जैसे विषयों पर प्रशिक्षित किया गया।
- प्रोजेक्ट प्रगति के तहत् बाडमेर एवं जोधपुर जिले में 15 से 30 आयु वर्ग की 876 शिक्षा से वंचित किशोरियों एवं महिलाओं को राजस्थान स्टेट ऑपन बोर्ड से 10वीं कक्षा में नामांकन कराया और 736 (84%) ने परीक्षा में सफलता प्राप्त की गई।
- संस्था द्वारा 419 से अधिक 10वीं कक्षा प्राप्त कर चुकी किशोरियों एवं महिलाओं को 20 कैरियर जागरूकता शिविर लगाकर कैरियर के प्रति जागरूक किया जा रहा है।
- संस्था द्वारा इस वित्तीय वर्ष में बून्दी जिले में मिशन सुरक्षित बचपन के तहत् बून्दी पुलिस एवं बाल कल्याण समिति को तकनीकी सहयोग प्रदान करते हुए 20 हजार बच्चों को बाल अधिकारों पर जागरूक किया।
- संस्था द्वारा राजस्थान से पहली बार 15 किशोरियों को हिमाचल प्रदेश के 9200 फीट उंचाई पर स्थिति पतालसू पिक पर सबसे कम समय में ट्रेकिंग कर वर्ल्ड ग्रेटेस्ट रिकोर्ड में नाम दर्ज किया है।

प्रमुख गतिविधियां - 2022-23

प्रोजेक्ट प्रगति

राइज फाउण्डेशन, फाउण्डेशन फोर एडुकेट गर्ल्स संस्था के सहयोग से प्रोजेक्ट प्रगति के संचालन हेतु 10 नवम्बर 2022 को 15 नवम्बर 2022 से 30 सितम्बर 2023 तक अनुबंध पत्र पर एक साझेदारी पत्र सहयोग हेतु हस्ताक्षर किए गये। प्रोजेक्ट प्रगति के तहत् राइज फाउण्डेशन बाडमेर जिले में 80 जोधपुर जिले में 20 प्रगति कैम्पों का संचालन करना, एक कैम्प में 14 से 30 आयु वर्ग की कम से कम 5 और अधिक तक 24 महिलाएं भाग लेगी, 24 से अधिक होने पर वह प्रेरक दूसरे कैम्प का गठन करेगें।

प्रोजेक्ट प्रगति में ऐसी किशोरियाँ एवं महिलाएं जिनकी शिक्षा की मुख्यधारा से वापस जुड़ने की संभावना बिल्कुल खत्म हो चुकी है अथवा जो शिक्षा व्यवस्था से छूटने की कगार पर खड़ी है। उन्हें राजस्थान स्टेट ऑपन स्कूल माध्यमिक शिक्षा पूर्ण करने में एक अवसर प्रदान करता है। माध्यमिक शिक्षा पूर्ण करना उनके जीवन में विविध संभावनाओं के द्वार खोलता है। प्रोजेक्ट प्रगति शिक्षा से वचिंत किशोरियों को माध्यमिक परीक्षा पास करने हेतु अवसर प्रदान करना और शिक्षा की मुख्यधारा से वापस जोड़ना और उनमें आत्म विश्वास के साथ आगे बढने के लिए जीवन कौशल विकसित करना है ताकि वह विविध अवसरों की तलाश करके अपने जीवन का बेहतर निर्वहन कर सके। इसी परिकल्पना के साथ संस्था द्वारा यह कार्य किया जा रहा है।

प्रोजेक्ट प्रगति का लक्ष्यः प्रगति प्रोजेक्ट के माध्यम से माध्यमिक शिक्षा से वंचित उन किशोरियों/युवतियों तक पहुँचना हैं जो अपनी शिक्षा पूर्ण नहीं कर पाई उन्हें स्थायी रूप से टिकाऊ, लचीले और परिणाम-आधारित मॉडल के माध्यम शिक्षा से जुड़ने का दूसरा अवसर प्रदान करना है तथा उन्हें जीवन कौशल एवं जेंडर जैसे संवेदनशील विषयों पर जागरूक करना है।

प्रगति प्रोजेक्ट के उद्देश्यः प्रगति प्रोजेक्ट का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि, महिलाएं और किशोरियां अपनी अधूरी शिक्षा को पूरा कर सकेंय अकादमिक संबलन प्राप्त कर सकेंय जीवन कौशल पर समझ विकसित कर उनका अभ्यास कर सकेय रोजगार के बेहतर विकल्प खोजने में सक्षम हो सके।

प्रगति प्रोजेक्ट एक नजर में: राइज फाउंडेशन द्वारा जोधपुर एवं बारमेर के 07 उपखंडों के 120 गांवों की आवादी को कवर किया गया है, प्रोजेक्ट प्रगति में 88 प्रेरको द्वारा 92 कैम्पों में 1580 किशोरियों को चिन्हित किया गया तथा चिन्हित किशोरियां एवं महिलाओं में से 876 किशोरियों को आर.एस.ओ.एस. की माध्यमिक शिक्षा में पंजीकृत किया गया। प्रगति कैम्पों में पंजीकृत किशोरियों को 10वीं का पाठ्यक्रम, जीवन कौशल शिक्षा एवं जेंडर आदि पर जागरूक किया गया। इस दौरान पंजीकृत 876 किशोरियों में से 838 ने परीक्षा में भाग लिया तथा शेष किशोरियां, घर से परीक्षा केंद्र की दूरी, खराब स्वास्थ्य, हाल में हुए प्रसव के कारण परीक्षा नहीं दे सकी। इस परीक्षा में 84% से अधिक किशोरियां परीक्षा में सफल रही।

प्रोजेक्ट प्रगति का कार्यक्षेत्र

क्र.सं.	जिला	उपखण्ड	कैम्पों की संख्यार	प्रेरको की संख्या	लाभार्थियों की संख्या
1.	बाडमेर	बालोतरा, बायतू, बारमेर ग्रामीण, चौहटन, धनाउ, रामसर, सिणधरी, शिव, सिवाना एवं कल्याणपुर	73	70	681
2.	जोधपुर	जोधपुर, लूणी, बिलाडा एवं धावा आदि	19	18	195
		योग	**92**	**88**	**876**

गतिविधियों का समयबद्ध विवरण

दिनांक	गतिविधियां	विवरण
सितम्बर 2023	प्रेरको का चयन	राइज फाउंडेशन ने संगठन की नीतियों और प्रोजेक्ट प्रगति की आवश्यकता के अनुरूप सितंबर और अक्टूबर माह में प्रेरकों का चयन किया। पहले से काम कर रहे स्वयंसेवकों से आवेदन आमंत्रित किये गये और उन स्वयंसेवकों की पहचान की गयी जो प्रगति परियोजना में रुचि रखते हैं, ऐसे स्वयंसेवकों को शुरू करने के लिए चुना गया था- 1. जिनकी शिक्षा ग्रेजुएशन है, 2. जिन्होंने पहले ही पढ़ाई छोड़ चुकी किशोरियों की पहचान कर ली थी और स्वेच्छा से उन्हें आरएसओएस में नामांकित करने में मदद की थी, 3. जिनके पास सामाजिक कार्य क्षेत्र में न्यूनतम 1 वर्ष का स्वयंसेवक अनुभव हो। 4. कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं होना चाहिए। 5. महिला शिक्षा को बढ़ाने में सहयोग के लिए अपना योगदान करना चाहता है।
सितम्बर 2023	किशोरियों का सर्वे	राइज फाउंडेशन राज्य में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (बीबीबीपी) योजना के कार्यान्वयन के लिए पिछले 2 वर्षों से स्वयंसेवकों के रूप में काम कर रहा था। इस बीच, संगठन राज्य के कई जिलों में शिक्षा सेतु योजना के तहत आरएसओएस में लड़कियों के नामांकन में महिला अधिकारिता विभाग की सहायता कर रहा था। एफईजीजी के साथ काम करने का अवसर मिला और जिन स्वयंसेवकों के साथ काम किया जा रहा था, उनके माध्यम से जुलाई से सितंबर, 2023 के बीच बाड़मेर और जोधपुर जिलों में किशोरियों की पहचान की गई और उन्हें कक्षा 10वीं में आरएसओएस में नामांकित किया गया।
सितम्बर से जनवरी	किशोरियों का नामांकन	संस्था ने चयनित प्रेरको द्वारा राजस्थान ऑपन स्टेट स्कूल बोर्ड में 876 किशोरियों का नामांकन कराया गया, जिसमें उनके अभिभावकों के साथ परिचर्चा एवं प्रगति कैम्प में आने के लिए सहमत किया गया।
दिसम्बर, 2023	प्रगति शिविर	राइज फाउंडेशन ने एफईजीजी गाइडलाइन के अनुसार एक शिविर में अधिकतम 24 और न्यूनतम 5 एजी के मानक के अनुसार, बाड़मेर और जोधपुर जिलों में 92 शिविर स्थापित किए गए। यह प्रगति शिविर सप्ताह में 5-6 दिन एवं एक दिवस में 4 घण्टे के लिए आयोजित किए जाते है।
फरवरी, 2023	पी.सी.पी. शिविर	राजस्थान के बाड़मेर और जोधपुर जिले में 92 शिविरों में 80 प्रतिशत से अधिक शिक्षार्थियों ने पीसीपी शिविरों में भाग लिया, जिसमें संस्था के प्रेरको द्वारा व्यक्तिगत सहयोग एवं दस्तावेजीकरण तकनीकी सहयोग प्रदान किया गया।
मई, 2023	परीक्षा में उपस्थिति	949 में से 734 (83.80 प्रतिशत) किशोरियों ने परीक्षा में भाग लिया, शेष किशोरियों ने पलायन, गर्भधारण करने तथा स्वास्थ्य कारणों से परीक्षा में भाग नही ले सकी।
अगस्त, 2023	परिणाम	संस्था के प्रेरको के प्रयासों से परीक्षा परिणाम की बात तो 470(54%) ने सभी विषयों की परीक्षा में उत्तीर्ण रही, वहीं 264(30%) ने 2 या 2 से अधिक विषयों में उत्तीर्ण रही। अतः 734 किशोरियां (84 प्रतिशत) उत्तीर्ण हुई तथा 16 प्रतिशत किशोरियां प्रथम प्रयास में असफल रही।
सितम्बर, 2023	पुनः नामांकन कराया गया	संस्था के पास ऐसे शिक्षार्थियों को नामांकित करने का अनुभव है जो पहली बार सभी विषयों में सफल नहीं हुए थे, एसवाईसी नामांकन के लिए योग्य प्रेरकों की पहचान की गई थी और 170 से अधिक ऐसे एसवाईसी शिक्षार्थियों को नामांकित करने में सफल रहे, फिर भी 70 शिक्षार्थियों को नामांकित पूरा कराने में सफल नहीं हो सके, जिसे भविष्य में सुधार करने का प्रयास किया जायेगा।

प्रोजेक्ट प्रगति के तहत् प्रेरको का आमुखिकरण-बाडमेर

एडुकेट गर्ल्स संस्था के सहयोग से संचालित प्रोजेक्ट प्रगति के तहत् राइज फाउण्डेशन द्वारा निम्न सारणी के अनुसार चयनित प्रेरको का एक-एक दिवसीय प्रेरक आमुखिकरण का आयोजन किया गया। आमुखीकरण में सहजकर्ता श्री मांगीलाल शेखर, श्री हेमन्त खत्री, श्री देवाराम एवं श्री इमदाद खान ने दयिा। आमुखिकरण में प्रोजेक्ट प्रगति को कैसे संचालित किया जायेगा तथा प्रेरक कैसे नामांकन की प्रक्रियाओं को पूर्ण करेगें पर समझ विकसित की गई।

दिनांक	स्थान	कुल प्रेरक
17.18 नवम्बर, 2022	जाट चेरीटेबल ट्रस्ट, बाडमेर	52
21 नवम्बर, 2022	गवर्नमेट यूथ होस्टल, जोधपुर	56
23 नवम्बर, 2022	होटल मेट्रो, बालोतरा, जिला बाडमेर	45

प्रेरको की 3 दिवसीय प्रशिक्षण-बाड़मेर

एडुकेट गर्ल्स संस्था के सहयोग से संचालित प्रोजेक्ट प्रगति के तहत् राइज फाउण्डेशन द्वारा वीरात्रा, चौहटन, जिला बाड़मेर में आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण प्रेरकों को विषय वार कन्टेंट किशोरियों को कैसे पढाने है पर विस्तार से सहजकर्ताओं द्वारा प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण में 110 से अधिक प्रेरकों ने भाग लिया गया। इस दौरान एज्युकेट गर्ल्स के ऑब्जबर श्री नौमेश चौधरी रहे जिन्होने संस्था द्वारा आयोजित प्रशिक्षण की प्रशंसा की गई और हमारे सहजकर्ताओं का मनोबल बढाया गया। प्रशिक्षण की गुणवत्ता के कारण संस्था ने शिक्षा से वंचित किशोरियों में भी 84 प्रतिशत परिणाम देकर बहुत उत्साहित किया है। विवरण निम्नानुसार है।

दिनांक	स्थान	कुल प्रेरक
20-22 दिसम्बर, 2022	वीरात्रा, चौहटन, जिला बाड़मेर	54
26-28 दिसम्बर, 2022	गवर्नमेट यूथ होस्टल, जोधपुर	56

प्रेरको की एक दिवसीय ड्रिप-ट्रेनिंग (फोलो-अप प्रशिक्षण)

राइज फाउण्डेशन द्वारा एडुकेट गर्ल्स संस्था के सहयोग से संचालित प्रोजेक्ट प्रगति के तहत् 2 बार एक-एक दिवसीय ड्रिप-ट्रेनिंग आयोजित की गई, प्रशिक्षण में श्री मांगीलाल शेखर एवं श्री हेमन्त खत्री द्वारा फेसलीटेट किया गया। फालो-अप प्रशिक्षण में संस्था द्वारा प्रेरको का मनोबल तो बढाया ही गया साथ ही संस्था द्वारा प्रेरको को प्री-बोर्ड परीक्षा आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। संस्था द्वारा प्रत्येक माह में फोलो-अप प्रशिक्षण आयोजित किए गए, जिसका विवरण निम्नानुसार है।

दिनांक	स्थान	प्रेरको की सं.
मार्च, 2023	कैलाश सरोवर होटल, बाड़मेर	88
अप्रेल, 2023	मेट्रो होटल, बालोतरा, जिला बाडमेर	80
मई, 2023	मौलाना आजाद एकेडमी, नागौरी गेट, जोधपुर	85

प्री-बोर्ड परीक्षाओं का आयोजन

राइज फाउण्डेशन द्वारा प्रोजेक्ट प्रगति के तहत् नवाचार करते हुए प्रगति शिविरों से जुडी किशोरियों एवं महिलाओं को बार्ड की मुख्य परीक्षाओं से पूर्व परीक्षा का अनुभव कराने, बार्ड परीक्षा का भय दूर करने और मुख्य परीक्षाओं में बैठके के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्री-बोर्ड परीक्षाओं का आयोजन कराया गया। प्री-बोर्ड परीक्षा आयोजित करना इसलिए भी आवश्यक था कि प्रगति कैम्पों में अधिकांश किशोरियां एवं महिलाएं ऐसी जुडी थी

जिन्होने पहले कभी बोर्ड परीक्षा नही दी, इसलिए उनके मन में भय था कि बोर्ड परीक्षा कैसे देगें। अधिकांश किशोरियां एवं महिलाएं ऐसी जुडी थी जिन्होने पढाई कई वर्षो पहले छोड दी गई, कुछ ऐसी भी किशोरियां एवं महिलाएं थी जो कभी विद्यालय ही नही गई। संस्था के लिए सभी किशोरियों को परीक्षा में बैठने के लिए प्रेरित करना बडा चुनौतीपूर्ण था, इसलिए उनके मन में से भय निकालना एवं अनुभव दिलाना था कि वह बोर्ड परीक्षा देना मुश्किल कार्य नही है।

संस्था कार्मिकों द्वारा पहले किशोरियों एव महिलाओं को 3-4 वर्ष पुराने बोर्ड के पेपर साझा किए गए और कैम्प के दौरान उन्हें प्रश्न पत्रों को हल करना सिखाया गया, लेकिन वास्तविक अनुभव हो सके कि प्रश्न पत्र में प्रश्नों के उत्तर कैसे लिखने है। पेपर में प्रश्नों का क्रम कैसा होता है, कौनसे प्रश्न कितने अंकभार का होता है, प्रश्नों को उत्तर पुस्तिका में कैसे लिखना है, किस अंकभार के प्रश्नों के उत्तर पहले लिखने है, इस प्रकार परीक्षा के दौरान किस प्रकार सहज तरीके से पेपर हल किया जाये, प्री-बोर्ड परीक्षा का अनुभव कराया गया। संस्था द्वारा 88 स्थानों पर प्री-बोर्ड परीक्षाओं का आयोजन किया गया, जिसमें प्रश्न-पत्र को 15 मिनिट पूर्व व्हाटस्एप के माध्यम से भेजा गया। इस दौरान संस्था को अतिरिक्त संसाधानों की व्यवस्था करना, सभी विषयों प्रश्न-पत्र तैयार करने के लिए कमेटी का गठन करना, समय सीमा में प्रश्न-पत्र हल कराना एक अच्छा अनुभव रहा।

प्रमुख सफलताएं- प्री-बोर्ड परीक्षा से सीख मिली कि इस दौरान 88 स्थानों पर प्रगति कैम्प से जुडी लगभग 90.5 प्रतिशत किशोरियों एवं महिला ने भाग लिया। अधिकांश किशोरियों ने परीक्षाओं के दौरान घर पर प्रश्न-पत्र की तैयारी करके प्री-बोर्ड की परीक्षा देना सबसे सुखद अनुभव रहा। एक समय पर व्हाटस्एप्प से प्रश्न-पत्र भेजना प्रबन्धन टीम को अच्छा अनुभव मिला।

मुख्य परीक्षाओं का आयोजन

राइज फाण्डेशन द्वारा पूरे 4 माह प्रगति कैम्प संचालन के पश्चात मुख्य परीक्षाओं में किशोरियों का परीक्षा मे बैठने के लिए प्रेरित करना एक चुनौती के रूप में देखा गया। इस दौरान सबसे बडी चुनौती यह रही कि गढरा रोड की किशोरियों का परीक्षा केन्द्र 75 किमी दूर बाडमेर में आया, इसी प्रकार रामसर की किशोरियों का परीक्षा केन्द्र चौहटन जाकि 80 किमी दूर था। इस प्रकार ऑसियां की की किशोरियों का परीक्षा केन्द्र 100 किमी दूर जोधपुर आयोजित होना बडी चुनौतीयां रही। मुख्य परीखाओं के दौरान संस्था द्वारा 11 ऐसे परीक्षा केन्दो को चिन्हित किया गया जो प्रगति केन्द्र से 30 किमी से दूर थे, ऐसे परीक्षा केन्द्रो तक किशोरियों को समय पर केन्द्र तक पहुचने के लिए यातायात के साधानों का इन्तजाम करना और समय पर परीक्षा केन्द्र तक पहुंचाना प्रेरकों के लिए चुनौतीपूर्ण रहा। लेकिन ऐसी किशोरियां एव महिलांए जिन्होने कभी पढाई नही की या 5 से 10 वर्ष पहले पढाई छोड दी, उनके द्वारा परीक्षा देने जाना और परीक्षा दिलाना तथा उनके होसले को देखना, परिवार जनो का प्रेरको पर भरोषा करना प्रोजेक्ट प्रगति के उद्दश्यों को पूर्ण होते देखना बहुत सुखद अनुभव देता है।

उक्त चुनौतियों के बाबजूद संस्था के कैम्पों में पंजीकृत किशोरियों मे से केवल 90 प्रतिशत से अधिक किशोरियों को ही परीक्षा में शामिल कराने में सफल रहे।

संस्था के प्रेरको के प्रयासों से परीक्षा परिणाम की बात तो 470(54%) ने सभी विषयों की परीक्षा में भाग लिया, वहीं 264(30%) ने 2 या 2 से अधिक विषयों में भाग लिया गया। कुल मिलाकर 734 किशोरियों का 84 प्रतिशत उत्तीर्ण हुई तथा केवल 16 प्रतिशत किशोरियां प्रथम प्रयास में असफल रही।

प्रगति कैम्प, प्रेरक, कार्यक्षेत्र, लाभार्थी किशोरियों आदि का विवरण निम्नानुसार है-

क्र.सं.	विवरण	बारमेर	जोधपुर
1.	परियोजना कार्यरत उपखण्ड की संख्या	05	02
2.	परियोजना कितने गाँव/क्षेत्रों में पहुँच बनी है	98	22
3.	प्रगति कैम्पों की संख्या	72	20
4.	कुल प्रेरक की संख्या	69	19
5.	कुल ड्राप-आउट चिन्हित किशोरियों की संख्या	1287	293
6.	ड्राप-आउट चिन्हित किशोरियां का RSOS में नामांकन	747	218
7.	कुल अनामांकित किशोरियों की संख्या	540	175
8.	परीक्षा में देने वाली किशोरियों की संख्या	668 (90%)	202 (92%)

मिशन सुरक्षित बचपन

बून्दी पुलिस द्वारा शिक्षा विभाग एवं राईज़ फाउण्डेशन के सहयोग से सुरक्षित विद्यालय सुरक्षित बचपन कार्यक्रम जिला पुलिस अधीक्षक बून्दी के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत् प्रत्येक मंगलवार को बाल कल्याण पुलिस अधिकारी अपने थाना क्षेत्र के विद्यालय में जाकर बच्चों लैंगिक अपराधों से संरक्षण अधिनियम, बाल विवाह प्रतिषध अधिनियम, बाल श्रम प्रतिषध अधिनियम एवं बाल अधिकारों पर बच्चों को जागरूक करते है। यह कार्यक्रम 15 अप्रेल 2021 से संचालित किया जा रहा है, जिसके तहत् प्रत्येक मंगलबार को थानाधिकारी, बाल कल्याण पुलिस अधिकारी एवं बीट कॉन्सटेबल द्वारा अपने क्षेत्राधिकर में आने वाले विद्यालय में बच्चों को बाल संरक्षण, बाल अधिकार एवं संरक्षण पर जागरूक किया जाता है और पुलिस अधिकारीयों द्वारा बच्चों को प्रोत्साहित किया जाता है कि पुलिस बच्चों की मित्र है।

इस कार्यक्रम में बून्दी पुलिस द्वारा ऐसी 18 ग्राम पंचायतो का चयन किया गया है जहां बच्चों के विरूध अपराध अधिक दर्ज किए गए है। प्रथम वर्ष में उक्त पंचायतो को बाल अपराध मुक्त किया जायेगा, तत्पश्चात सम्पूर्ण जिले में संचालित किया जायेगा। राइज फाउण्डेशन द्वारा मिशन सुरक्षित बचपन को बाल संरक्षण पर तकनीकी सहयोग किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत् बच्चों के अलावा अन्य हितधारकों को भी जागरूक किया जा रहा है।

बच्चों के प्रति सामाजिक दायित्वों पर व्यापारियों के साथ कार्यशाला

राइज फाउण्डेशन बून्दी 9 मार्च 2023, को मिशन सुरक्षित बचपन के तहत् , बच्चों के प्रति सामाजिक दायित्व पर पुलिस प्रशासन, बाल कल्याण समिति एवं राइज फाउंडेशन के संयुक्ततत्वाधान में पुलिस ऑडोटोरियम बून्दी में जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव की अध्यक्षता में बून्दी जिले के समस्त व्यापार मंडल एवं व्यापारिक एसोसिएशन के साथ, बाल संरक्षण वार्ता का आयोजन किया गया। वार्ता में विशिष्ठ अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सुनील कुमार यादव, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष सुश्री सीमा पोद्दार, डेप्युटी लेबर कमिश्नर विपिन काला

किशोर न्याय बोर्ड सदस्य जयश्री लखोटिया, जिला बाल संरक्षण इकाई के सहायक निदेशक रामराज मीना, संरक्षण अधिकारी गोविंद गौतम, अति जिला पुलिस अधीक्षक रविन्द्र सिंह, डिप्टी पुलिस हेमंत नोगिया, अधीक्षक सदर थानाधिकारी अरविंद भारद्वाज एवं सभी व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों सहित 150 से अधिक लोगो ने भाग लिया। वार्ता में राइज फाउंडेशन के मैनेजिंग ट्रस्टी मांगीलाल शेखर ने अतिथियों एवं संभागियो का स्वागत करते हुए वार्ता के उद्देश्य बताए एवं जिले में देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वालों बच्चो के लिए सुरक्षित वातावरण तथा जिला प्रशासन, पुलिस और समाज के बीच समन्वय साथापित करना। वार्ता में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सुनील कुमार यादव ने बाल श्रम बाल विवाह एवं लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों पर वार्ता की गई, जिसमे व्यापारियों की ओर से बालश्रम से संबंधित कानूनी उलघन नही करने की सलाह दी।

उपरांत जिला पुलिस अधीक्षक बूंदी जय यादव यादव ने विचार व्यक्तकरते हुए बताया कि बूंदी पुलिस न केवल अपराधों की जांच एवं आवश्यक प्रक्रिया पूरी करती है बल्कि बूंदी में चिन्हित ग्राम पंचायतों में बाल अपराध मुक्त बनाने के लिए स्कूलों में बच्चों के साथ समुदाय के व्यक्तियों के साथ अध्यापकों के साथ वार्ता कर चुकी है इसी कड़ी में आज व्यापारियों एवं व्यापारिक संगठनों के साथ बच्चों की सुरक्षा एवं बाल अपराध मुक्तजिला बनाने की दिशा में इस वार्ता का आयोजन किया गया है उन्होंने बताया कि हेमं सामाजिक नजरिया बदलना होगा और जिले में बाल श्रम बाल विवाह लैंगिक अपराधों जैसे अपराधों से बच्चों को भाषा करनी होगी हम अपने बच्चों के साथ पुरुष है तो लड़कियों के साथ महिलाएं हैं तो लड़कों के साथ समझाने का प्रयास करें आपको यह सा अपराध ना करें क्योंकि बाल अपराध में शामिल होने पर सख्त से सख्त सजा का प्रावधान है अनेक ऐसे युवा एवं युवक हैं जो अनजाने में दुर्व्यवहार कर बैठते हैं जेल जेल जाना होता है और उन्हें सजा होती ही है। हमें अपने बच्चों को सुरक्षित तो करना है साथ में दूसरे बच्चों की सुरक्षा का भी ख्याल रखा जाएगा तभी जिले को बाल अपराध मुक्तबनाया जा सकता है यह कार्य एक या 2 दिन का नहीं है इस कार्य में हम सब लोग मिलकर के कार्य करेंगे तभी हमें सफलता प्राप्त हो सके।

अन्तराष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन

बून्दी, 11.10.2022, को अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस 2022 राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, खेरूणा, जिला बून्दी में पुलिस प्रशासन एवं राईज़ फाउण्डेशन तथा बाल कलयाण समिति के संयुक्त तत्वाधान में बडे हर्सोउल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री जय यादव, जिला पुलिस अधीक्षक, बून्दी एवं विशिष्ठ अतिथि सुश्री सीमा पोद्दार, सदर थानाधिकारी श्री अरविन्द भारद्वाज एवं बून्दी विकास अधिकारी जगजीवन कौर आदि रहे। कार्यक्रम में राइज फाउण्डेशन के प्रबन्धक ट्रस्टी श्री मांगीलाल शेखर, समाजसेवी बालकदास, ग्राम सचिव राजेन्द्र वर्मा, प्रधानाध्यापक हनुमान प्रसाद, बाल कल्याण पुलिस अधिकारी राकेश कुमार सहित अनेक ग्रामीण महिला पुरूषो सहित 200 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मंच संचालन करते हुए श्री मांगीलाल शेखर ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि आज पूरे विश्व में बालिकाओं के महत्व को बढाने, शिक्षा समान भागीदारी, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुच बढाने, बालिका सुरक्षा तथा बाल अधिकारों का संरक्षण के साथ-साथ सम्मान एवं गरिमा से जीवन जीने के लिए सकारात्मक वातावरण निर्माण करने के उद्देश्य से मनाया गया।

नेटवर्किंग एवं सहयोगी संस्थाएं :

राईज़ फाउण्डेशन, समुदाय में जागरूकता बढाने एवं उनको सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से सरकारी, गैर सरकारी संगठन, समुदाय आधारित संगठन, स्वयं सहायता समूह, एवं भामाशाहों के साथ सहयोग करने वाली संस्थाओं के साथ नेटवर्क बनाकर कार्य करती है वर्तमान में निम्न सहयोगी है:-

- फाउण्डेशन फोर एडूकेट गर्ल्स संस्था, मुम्बई।
- महिला अधिकारिता (महिला एवं बाल विकास विभाग) बाडमेर
- जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग, बाडमेर।
- लेटस् दा क्लाइम हिमालय, मनाली, हिमाचल प्रदेश
- भामाशह-कविता देवी, पाली।

फोटो गैलरी

Internation Girls Child Day Celeboration, Bundi

Seminar on Social Responsibilities with Drade Unions at Bundi

3 Days Prerak Content Training at Barmer

Follow up Drip Training at Balotra, Barmer

Followup Drip Training at Jodhpur

CAMP VISIT BY EDUCATE GIRLS MUMBAI TEAM

CAMP LAUNCHING AT JODHPUR

CAMP LAUNCHIN AT BARMER

अखबारों में प्रमुख झलकियां

प्रगति प्रेरक मैना के सहयोग से 19 ड्राप आउट बालिकाओं को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ा

दैनिक नवज्योति

प्रोजेक्ट प्रगति के लिए प्रेरकों की आमुखीकरण कार्यशाला संपन्न

प्रगति प्रेरक कैंप लॉन्च

गुरुज्योति पत्रिका

बाड़मेर में प्रोजेक्ट प्रगति के लिए प्रेरकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

दैनिक नवज्

शहरी क्षेत्र की बालिकाओं को प्रकृति संस्थान की ओर से करवाई जाएगी 10वीं व 12वीं ओपन बोर्ड परीक्षा की तैयारी

दलित, घुमंतु समुदाय की पढ़ाई छोड़ चुकी 13 बालिकाओ का करवाया एडमिशन

बालिका सुरक्षा और बाल अधिकारों का संरक्षण करना बून्दी पुलिस की प्राथमिकता-एसपी

पाक्षिक बैठक का हुआ आयोजन

नवज्योति/बाड़मेर। बाड़मेर शहर के स्टेशन रोड स्थित एक निजी होटल में शुक्रवार को राइज फाउंडेशन तथा एजुकेट गर्ल्स संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में पाक्षिक बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में रामसर, धनाऊ, चौहटन, बाड़मेर शहर, गडरा रोड, शिव ब्लॉक के 30 प्रेरकों ने हिस्सा लिया। यह प्रेरक अपने गांव में प्रगति शिविर का संचालन कर रहे हैं और कक्षा 10 वीं से पूर्व ड्रॉपआउट हो चुकी किशोरियों को पढ़ने में सहयोग कर रहे हैं। बैठक में आगामी परीक्षा की तैयारी को लेकर राइज फाउंडेशन के कार्यक्रम निदेशक मांगीलाल ने बताया, जिले की स्टेट ओपन स्कूल से पंजीकृत आठ सौ से अधिक किशोरियों को पढ़ने में सहयोग करने के साथ उन्हें जीवन कौशल के बारे में भी पढ़ा रहे हैं। सभी प्रेरकों ने एक-एक कर नवंबर से लेकर मार्च तक क्या-क्या काम हुआ है, उसके बारे में बताया और अपने गांव में आ रही चुनौतियों को रखा। अनमोल ग्रामीण विकास संस्थान बाड़मेर, नेहरू नव युवक मंडल रोहिड़ी, गडरा रोड के समाजसेवी इमदाद खान नोहड़ी ने बताया, बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में यह महत्त्वपूर्ण काम किया जा रहा है। बैठक के अंत में प्रोग्राम मैनेजर हेमंत ने धन्यवाद ज्ञापित किया।